Difference Between Internal And External Evaluation आंतरिक एवं बाह्य मूल्यांकन में अंतर

By Dr. Sweta Bagade Asst. Prof. (B.Ed) GSCW Jamshedpur

क्रमांक	आन्तरिक मूल्यांकन	बाह्य मूल्यांकन
1	इसमें मूल्यांकनकर्ता शिक्षण प्रक्रिया से संबंधित व्यक्ति ही होता है। In this, the evaluator is the person related to the teaching process.	इसमें मूल्यांकनकर्ता बाहरी व्यक्ति होता है जो शिक्षण प्रक्रिया से प्रत्यक्ष रूप से संबंधित नहीं होता है। The evaluator is an outsider who is not directly related to the teaching process.
2	यह अपेक्षाकृत सस्ती प्रक्रिया है। This is a relatively inexpensive process.	यह अपेक्षाकृत खर्चीली प्रक्रिया है। This is a relatively expensive process.
3.	यह छात्र की वास्तविकता से परिचय करवाता है अर्थात् इसकी वैधता अधिक होती है यह संपूर्ण शिक्षण प्रक्रिया से वास्तविक रूप में जुड़ा रहता है। It introduces the reality of student to, means it has more validity, it remains connected to the entire learning process in real terms.	यह छात्र की वास्तविकता से अपेक्षाकृत कम संबंध रखता है क्योंकि यह एक निश्चित समय अविध में लिए गए परीक्षण से संबंधित होता है। संपूर्ण शिक्षण प्रक्रिया से इसका संबंध कमजोर जान पड़ता है। It has relatively little relation to the student's reality as it pertains to the test taken in a given time period. Its relation to the entire learning process seems weak.

क्रमांक	आन्तरिक मूल्यांकन	बाह्य मूल्यांकन
4	यह छात्रों के पूरे शैक्षिक सत्र में उपस्थिति, उसका निष्पादन ,आचरण, पाठ्यक्रम संबंधी क्रियाकलाप ,रुचि आदि को ध्यान में रखकर किया जाता है।	यह निश्चित समय अवधि में कुछेक प्रश्न पत्रों के माध्यम से ली गई परीक्षाओं के द्वारा छात्रों का आकलन करता है।
	This is done keeping in mind the attendance, performance, conduct, course activities, interest of the students throughout the academic session.	It assesses students through examinations taken through a few question papers in a given time period.
5	इसमें पक्षपात व व्यक्तिगत पहचान का भाव निहित होता है। There is a sense of partiality and personal identity in it.	इसमें पक्षपात व व्यक्तिगत पहचान की अपेक्षाकृत क्षीण संभावना पाई जाती है। There is a relatively weak possibility of bias and personal identification.
6	यह वस्तुनिष्ठ की बजाय व्यक्तिनिष्ठ अधिक होता है। It is more subjective than objective.	इसमें अपेक्षाकृत अधिक वस्तुनिष्ठता निहित होती है। There is relatively more objectivity involved.

क्रमांक	आन्तरिक मूल्यांकन	बाहय मूल्यांकन
7	यह सतत् तथा व्यापक होता है। It is continuous and comprehensive.	इसमें सतत् व व्यापक होने के गुण का अभाव पाया जाता है। It lacks the virtue of being continuous and comprehensive.
8	यह पूर्व निर्धारित समय सारणी के बिना भी आयोजित किया जा सकता है। It can also be conducted without a predetermined time table.	यह पूर्व निर्धारित समय सारणी के अनुसार ही आयोजित किया जाता है। It is conducted according to a predetermined time table.
